अनुक्रमणिका

1.	रामविलास शर्मा अर्थात् रूपांतरण एक प्रक्रिया है	*रामविलास शर्मा*	13
2.	एक बेदाग़ बोर्जुवा : अज्ञेय		25
3.	मानसिक उपनिवेशवाद के खिलाफ : यशपाल	*यशपाल*	28
4.	(अ) तीसरे अंक का स्थगित नायक : मोहन राकेश	*मोहन राकेश*	39
	(ब) मोहन राकेश : बरास्ता रोज़नामचा		
5.	हमें मालूम है जन्नत की हक़ीकत लेकिन...	*कमलेश्वर*	57
6.	अबे राजेन्द्र, मज़ा आ गया	*मनमोहन ठाकौर*	64
7.	एक 'कुजात' कवि की प्रशंसा में	*नजीर अकबराबादी*	75
8.	डरता कौन है शानी से	*शानी*	81
9.	बंद गली का आख़िरी मकान	*धर्मवीर भारती*	92
10.	ब्राह्मण समाज में ज्यों अछूत	*भैरव प्रसाद गुप्त*	103
11.	भगवान, उन्हें माफ़ करना...वे नहीं जानते वे क्या कर रहे हैं	*मीरा महादेवन*	111
12.	मटियानी बनाम मटियानी	*शैलेश मटियानी*	121
13.	शकुंतला और नरेशचंद्र चतुर्वेदी	*नरेशचंद्र चतुर्वेदी*	130
14.	दुर्गा सप्तशती	*निर्मला जैन*	137
15.	आपकी नींद खराब हो तो हो...	*लक्ष्मीचंद्र जैन*	152
16.	अपने में लौटने वाली नदी	*भँवरमल सिंघी*	157
17.	वे जो बोल गए...		163
18.	कुछ स्वर्गीय टिप्पणियाँ		166
19.	हक़ीर कहो, फ़क़ीर कहो...	*आत्मकथ्य*	173
	(अ) पुनश्च : परतों के आर-पार : राजेन्द्र यादव पर उपेन्द्रनाथ अश्क		181
	(ब) अश्क बनाम राजेन्द्र यादव		